केन्द्रीय विद्यालय अलवर में परीक्षा पे चर्चा-2022 पंचम संस्करण का सीधा प्रसारण का आयोजन

अलवर (मृदुल पत्रिका)। प्राचार्य डॉ. एल आर सैनी ने जानकारी दी कि परीक्षा पे चर्चा के पंचम संस्करण 2022 का सीधा प्रसारण विद्यार्थियों को दिखाया गया। विद्यालय की कक्षा दसवीं बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के साथ.साथ सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी का लाइव उद्बोधन देखा एवं सुना। माननीय प्रधानमंत्री जी के लाइव उद्बोधन को सुनने के लिए विद्यालय स्तर पर पूर्ण इंतजाम किए गए। सभी कक्षाओं में एलईडी स्क्रीन एवम् इंटरनेट की मदद से प्रधानमंत्री जी के लाइव उद्बोधन को विद्यार्थियों को दिखाया गया। विद्यालय के लगभग 2026 विद्यार्थियों एवं 95 स्टाफसदस्यों ने एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री जी के गैरवमयी लाइव उद्बोधन को पूरी तन्मयता के साथ सुना और देखा। कार्यक्रम के आरंभ में माननीय शिक्षा मंत्री भारत सरकार श्रीमान धर्मेंद्र पटेल जी ने शिक्षा व्यवस्था की पुरजोर कड़ियों पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को 21वीं सदी के भारत के लिए एक वरदान बताया। भारत को कोविड.19 महामारी से उभर कर शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात प्रधानमंत्री ने परीक्षा में चिंता तनाव और बाधाओं को कैसे कम किया जाए इसके कारगार उपाय बताएं। परीक्षा ही जिंदगी नहीं है इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विद्यार्थियों की योग्यता को परीक्षा के अंकों के आधार पर नहीं परखा जा सकता। क्या सोचना है, के स्थान पर कैसे सोचना है की योग्यता विकसित करना शिक्षा और परीक्षा का उद्देश्य होना चाहिए। परीक्षा को एक त्योहार के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि परीक्षाएं खुशियों का त्योहार है आओ हम सभी इसे मिलजुल कर मनाएं। विद्यार्थियों से आपसी संवाद की कड़ी में प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के लाभ हानि और सोशल मीडिया से छुटकारा कैसे पाएं ऑनलाइन शिक्षण के लाभ.हानि से अवगत कराया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति से कौशल विकास कैसे होगा इस विषय पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपनी बात रखी।

परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों के कुछ ज्वलंत प्रश्नों जैसे विद्यार्थीयों में अभिभावकों एवम् शिक्षका के दबाव को कैसे कम किया जाएए जीवन में मोटिवेशन कैसे प्राप्त करें, हताशा और निराशा को असल वजह क्या है मन को एकाग्रचित्त कैसे रखें जीवन में अवसरों का लाभ कैसे उठाएं। आदि प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि परीक्षा जीवन का हिस्सा है इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार करें। परीक्षा का भय मन से निकाल दें। समय के अनुसार जीवन में बदलाव आवश्यक है। जीवन में हमेशा अवसरों का लाभ उठाने की कोशिश करें। जीवन में खुद की परीक्षा भी लेते रहे। अंत में अपनी बात को समाप्त करते हुए प्रधान मंत्री जी कहा कि परीक्षा जीवन का हिस्सा है इसे जीवन में चुनौतियों की तरह नहीं एक त्योहार की तरह जीते हुए आगे बढ़ना चाहिए।